

## WHO ने एंटीबायोटिक प्रोटोकॉल को संशोधित किया

**संदर्भ**  
एंटीबायोटिक प्रतिरोधक क्षमता में हो रही वृद्धि हमें यह बताती है कि हम इन एंटीबायोटिक्स का किस प्रकार उपयोग कर रहे हैं और किस प्रकार दुरुपयोग। इसीलिये विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इन एंटीबायोटिक दवाओं को तीन श्रेणियों में बाँटा है। यह श्रेणी निर्दिष्ट करती है कि कौन-सी दवा सामान्य बीमारियों के लिये उपयोग करनी है और कौन-सी जटिल रोगों के लिये।

### महत्वपूर्ण बिंदु

- एंटीबायोटिक प्रतिरोधकता को रोकने के लिये डब्ल्यू.एच.ओ. ने दवाइयों को तीन श्रेणियों में बाँटा है – पहुँच (Access), नगिरानी (Watch) और आरक्षण (Reserve)।
- आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली एंटीबायोटिक्स 'एक्सेस' श्रेणी के अंतर्गत रखी गई हैं।
- एंटीबायोटिक्स की दूसरी श्रेणी थोड़ी अधिक शक्तिशाली है जिसे 'नगिरानी' के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। इनमें वे दवाइयाँ शामिल हैं जिनका उपयोग नमिन स्तर के संक्रमित रोगों के इलाज के लिये पहली या दूसरी पसंद के रूप में किया जाता है।
- केवल अंतिम प्रयोग के रूप में इस्तेमाल होने वाली एंटीबायोटिक्स को 'आरक्षण' श्रेणी के अंतर्गत रखा गया है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. ने यह अनुशंसा की है कि 'एक्सेस' ग्रुप की एंटीबायोटिक दवाइयाँ सामान्य संक्रमण वाले रोगों के इलाज के लिये हर समय उपलब्ध होनी चाहिये। इसमें एमोक्सिसिलिन (Amoxicillin) दवा शामिल है, जिसका उपयोग नमिनिया जैसे रोगों के इलाज के लिये किया जाता है।
- यह अनिवार्य दवाइयों की सूची (EML) के 'एंटीबायोटिक्स अनुभाग' में पछिले 40 वर्षों के इतिहास में सबसे बड़ा संशोधन है।

### लाभ

- डब्ल्यू.एच.ओ. ने सफ़ाई की है कि प्रतिरोधकता को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिये इन दवाइयों के उपयोग को कम किया जाना चाहिये।
- यह नया श्रेणीकरण देशों को उपयुक्त जीवाणुरोधी एजेंटों (Antibacterial Agents) तक पहुँच सुनिश्चित करने में मदद करेगा।
- यह सूची दवा आपूर्ति प्रणाली के लिये एक गाइड के रूप में कार्य करेगी तथा स्वास्थ्य सुरक्षा को भी बढ़ावा देगी।
- इस प्रकार के विभाजन से यह सुनिश्चित होगा कि जिन लोगों को एंटीबायोटिक दवाइयों की जरूरत है उन तक पहुँच आसान हो सके और सही एंटीबायोटिक उन्हें उपलब्ध हो सके।